darashan do ghanashyam naath mori, ankhiyan pyaasi re man mandir ki jyoti jagaado, ghat ghat basi re Bhajans Bhakti Songs

मन्दिर मन्दिर मूरत तेरी
मैंने सूरत फिर से नहीं देखी
yug bite na aai milan ki
पूरनमासी पुन:

द्वापर दिन काहे जग तू खोले
पंचम सुर में गुनगुन बोले
लंगड़ा देख और चला
पाहुनके कासी री

पनि पाइ कर प्यास बुझाउँ
नैनों की व्याख्या कैसे करें
आंख मिहौली छोडो अब

man ke basi re

nibarl ke bal dhaan nidharn ke
तम रखवले भक्त जनन के
तेरे भजन में सब सुख पान
घुन उडासी री

नाम जप बराबर तुझे ना जाना
उनकौ भइ तू अपन मन के
तीसरा दिन चींटी का नहीं है
वह दुखी नशी रे

अज फासला तेरे द्वारे बराबर
मेरी जित है तेरी हर बराबर
हर जीत है तेरी मुख्य
चरण उपसी री

द्वार खडा काब से मतवाला
maange tum se har tumhari
नरसी की तुम बिनती सुनलो
भक्त विलासी पुन

लाज न लुट जाई प्रभु तेरी
नाथ करौं न आए दिन मेरे
तिन लोचन छोड कर आओ
गंगा निवसी री

Source:
https://www.bharattemples.com/darashan-do-ghanashyam-naath-mori-ankhiyan-pyaasi-reman-mandir-ki-jyoti-jagaado-ghat-ghat-basi-re/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw